नईदुनिया

बिलिनेयर क्लब में शामिल हुए जोमैटो के दीपिंदर गोयल

जोमैटो का शेयर आज ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। कंपनी के फाउंडर और सीईओ दीपिंदर गोयल भी बिलिनेयर क्लब में शामिल हो गए।

- **जोमैटो का शेयर आज ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया**
- **फाउंडर दीपिंदर गोयल बिलिनेयर क्लब में शामिल हुए**
- **एक साल में कंपनी के शेयर में 300% से ज्यादा तेजी**

नई दिल्ली। फूडटेक कंपनी जोमैटो का शेयर आज बाजार खुलते ही नए रेकॉर्ड पर पहुंच गया। बीएसई पर यह 4% से ज्यादा की उछाल के साथ 232 रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। पिछले एक साल में कंपनी के शेयर में 300% से ज्यादा तेजी आई है। पिछले साल जुलाई में इसकी कीमत 73 रुपये थी। कीमत में तेजी से कंपनी का मार्केट कैप भी दो लाख करोड़ रुपये के ऊपर पहुंच गया।

इससे कंपनी के फाउंडर और सीईओ दीपिंदर गोयल की नेटवर्थ में भी काफी उछाल देखने को मिली। इसके साथ ही वह बिलिनयर्स की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। उनके पास कंपनी के 36.95 करोड़ शेयर यानी करीब 4.24 फीसदी हिस्सेदारी है। फोर्ब्स के मुताबिक गोयल की नेटवर्थ में 2.51% की उछाल आई और यह 1.4 अरब डॉलर यानी करीब 1,17,00 करोड़ रुपये पहुंच गई है।

जोमैटो ने दिल्ली और बेंगलुरु में अपने प्लेटफॉर्म की फीस प्रति ऑर्डर बढ़ाकर छह रुपये कर दी है। यही कारण है कि आज कंपनी के शेयरों में भारी तेजी आई और मार्केट खुलते ही यह चार फीसदी से अधिक तेजी के साथ ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। पिछले एक हफ्ते में कंपनी के शेयरों में 12 फीसदी तेजी आई है जबकि इस दौरान बेंचमार्क इंडेक्स केवल एक फीसदी चढ़ा है। पिछले महीने चार जून को यह 146.85 रुपये पर था और तबसे इसमें 58 फीसदी तेजी आई है। इस साल अब तक यह 88% चढ़ा है जबकि इस दौरान बीएसई सेंसेक्स में करीब 12% तेजी आई है।

कंपनी का आईपीओ

जोमैटो दिसंबर 2022 में लिस्ट हुई और ऐसा करने वाली देश की पहली यूनिकॉर्न कंपनी थी। मिडिल क्लास फैमिली से आने वाले दीपिंदर गोयल ने साल 2006 में आईआईटी करने के बाद 'बेन एंड कंपनी' में नौकरी की। उन्होंने FoodieBay.com की स्थापना की जिसका नाम बदलकर Zomato.com कर दिया गया। 2011 में कंपनी को Info Edge से फंडिंग मिली और 2018 में यह यूनिकॉर्न बन गई। 2022 में इसका आईपीओ 38.25 गुना से अधिक सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी का शेयर अपने इश्यू प्राइस से 53% प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ था। पहले ही दिन यह देश की टॉप 100 कंपनियों में शामिल हो गई थी।

न्यूज ब्रीफ.....

हाई रिटर्न वाले फंड कर सकते हैं निराश, निवेशकों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत

नई दिल्ली। इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेशकों का रूचि बनी हुई है। यह इससे पता चलता है कि म्यूचुअल फंड्स की स्कीम में लगातार पैसा आ रहा है। इकॉनमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ICICIdirect.com के एक अध्ययन से पता चलता है कि निवेशक पिछले रिटर्न पर बहुत ज्यादा भरोसा कर रहे हैं। वे उन सभी कैटिगरी (लार्ज कैप, मिड और स्मॉल कैप) में उन स्कीम्स में ज्यादा पैसा लगा रहे हैं जो पिछले तीन साल में बेहतर परफॉरमेंस कर चुकी हैं। अध्ययन से पता चलता है कि इससे निवेशकों को औसत से कम रिटर्न मिलता है। उदाहरण के लिए, लार्ज कैप कैटिगरी में जहां दिसंबर 2023 से मई 2024 तक 5,000 करोड़ रुपये का निवेश आया। इस कैटिगरी में पिछले तीन वर्षों में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड्स को कुल इनफ्लो का 74% मिला। जबकि 21 में से 19 फंड्स को मामूली ही निवेश मिला। इसी तरह मिडकैप कैटिगरी के 29 फंड्स में से महज पांच फंड्स को कुल इनफ्लो का 75% मिला है। स्मॉल कैप कैटिगरी के फंड्स में पिछले छह महीनों में सिर्फ तीन फंड्स को ही कुल इनफ्लो का 61% मिला है। 27 स्मॉलकैप फंड्स में से 20 को कुल इनफ्लो का 2% से कम मिला है। वहीं, इस कैटिगरी के आठ फंड्स से निवेशकों ने पैसा निकाल लिया।

अनंत-राधिका की शादी से चमका ब्रांड रिलायंस, कैसे भारत को ₹75,000 करोड़ का चूना लगने से बचा लिया!

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की शादी लगभग छह महीने तक चली। शादी और शादी से पहले हुए कार्यक्रमों में बॉलीवुड सहित देश-दुनिया के उद्योग जगत की दिग्गज हस्तियां शामिल हुईं। राधिका मर्चेंट के साथ अनंत की शादी ने अंबानी परिवार और उनके ब्रांड रिलायंस की तरफ पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। यह दुनिया की सबसे महंगी शादियों में से एक है। बहुत से भारतीय करोड़पति और अरबपति विदेश में शादी करते हैं। लेकिन, अंबानी ने भारत में ही सारे कार्यक्रम रखकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दी। ऐसे में इस शादी ने भारत को कम से कम 75,000 करोड़ रुपये का चूना लगने से बचाया है जो कसिी और देश में खर्च हो सकते थे। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सितारों से सजे समारोहों ने परिवार के कॉर्पोरेट ब्रांड 'रिलायंस' को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग पहचान दी है।

दिल्ली के एक बिजनेस लीडर ने बताया कि जस्टिन बीबर या रिहाना जैसी दुनिया की सबसे बड़ी हस्तियों की मौजूदगी, उनके परफॉर्मेंस और इस दौरान हुई मुलाकातें सोशल मीडिया पर छाई रहीं। लाखों लोगों ने इन्हें देखा। यह अपने आप में ब्रांड और परिवार के लिए बहुत अच्छा एक्सपोजर है।

आम लोग भी हुए रलियांस ब्रांड से रूबरू

ब्रांड रिलायंस या अंबानी परिवार से दुनिया का कारोबारी समुदाय पहले से वाकिफ था। लेकिन, इस बार आम लोगों को भी इस ब्रांड को जानने का मौका मिला। अंबानी दशकों से भारत का सबसे अमीर परिवार है। 12 जुलाई को हुई शादी से पहले के महीनों तक चले रीति-रिवाजों से स्थानीय कारीगरों और व्यवसायों को भी फायदा हुआ है।

महंगाई खाद्य वस्तुओं खासकर सब्जियों और विनिर्मित उत्पादों के दाम में काफी तेजी आई है। आम आदमी को महंगाई से राहत मिलती नजर नहीं आ रही है।

महंगाई ने तोड़ा 16 महीने का रेकॉर्ड, सब्जियों की कीमत ने बढ़ाई आम आदमी की मुश्किल

नई दिल्ली। थोक महंगाई के जून महीने के आंकड़े आ गए हैं। खाद्य वस्तुओं खासकर सब्जियों और विनिर्मित उत्पादों के दाम बढ़ने से थोक महंगाई जून में बढ़कर 16 महीने के उच्चस्तर 3.36% पर पहुंच गई। यह लगातार चौथा महीना है जब थोक महंगाई बढ़ी है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई मई में 2.61 प्रतिशत के स्तर पर थी। जून, 2023 में यह शून्य से 4.18 प्रतिशत नीचे रही थी। थोक महंगाई दर फरवरी, 2023 में 3.85 प्रतिशत थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को बयान में कहा कि जून, 2024 में महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों, कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस, खनिज तेल तथा अन्य विनिर्मित वस्तुओं आदि की कीमतों में वृद्धि है।

आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की महंगाई जून में 10.87% बढ़ी, जबकि मई में यह 9.82% थी। सब्जियों की महंगाई दर जून में 38.76% रही, जो मई में 32.42% थी। प्याज की महंगाई दर 93.35% जबकि आलू की महंगाई दर 66.37% रही। दालों की महंगाई दर जून में 21.64% रही। आलोच्य महीने में फलों की महंगाई 10.14%, अनाज 9.27% और दूध की महंगाई दर 3.37% रही। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि जून, 2024 में थोक महंगाई में वृद्धि व्यापक थी। ईंधन और बिजली को छोड़कर सभी प्रमुख क्षेत्रों में दाम बढ़े हैं।

उन्होंने कहा कि अनुकूल तुलनात्मक आधार के साथ-साथ वैश्विक जिंस कीमतों में कुछ नरमी के कारण जुलाई, 2024 में थोक महंगाई 2% तक कम होने की उम्मीद है। नायर ने तेल की कीमतों के संबंध में कहा कि भारत के लिए कच्चे तेल की औसत कीमत जुलाई, 2024 में अब तक काफी अस्थिर रही है। मांग-आपूर्ति में अंतर के कारण, मासिक आधार पर वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें चालू महीने में थोक महंगाई पर दबाव बढ़ा सकती हैं। ईंधन और बिजली की महंगाई दर 1.03% रही। यह मई के 1.35% से मामूली कम है।

हालांकि, माह के दौरान कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की मूल्य वृद्धि दहाई अंक में 12.55% रही। विनिर्मित उत्पादों में मुद्रास्फीति जून में 1.43% थी, जो मई के 0.78% से अधिक है। जून में थोक महंगाई दर में वृद्धि खुदरा महंगाई के आंकड़ों के अनुरूप थी। पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार जून में खुदरा महंगाई बढ़कर चार महीने के उच्चतम स्तर 5.1% पर पहुंच गई है।

सनस्टार लिमिटेड का आ रहा है आईपीओ

मुंबई। लिक्विड ग्लूकोज, ड्रायड ग्लूकोज सॉलिड और अन्य पदार्थ बनाने वाली अहमदाबाद की कंपनी सनस्टार लिमिटेड का आईपीओ इस सप्ताह 19 जुलाई को ओपन हो रहा है। इसमें निवेशक 23 जुलाई 2024 तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने दो रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर का प्राइस बैंड 90 से 95 रुपये तय किया है। बिडिंग के बाद 26 जुलाई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयरों को लिस्ट कराने की योजना है। इस इश्यू के जरिए कंपनी ₹510.15 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी ₹397.10 करोड़ के 41,800,000 फ्रेश शेयर इश्यू जारी कर रही है। इसके साथ ही कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस के जरिए ₹113.05 करोड़ के 11,900,000 शेयर बेच रहे हैं। सनस्टार लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड ₹90 से ₹95 तय किया है। इसमें एक लॉट 150 शेयरों का तय किया गया है। इस हिसाब से रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 150 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड ₹95 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए ₹14,250 इन्वेस्ट करने होंगे। इससे ऊपर भी इसी गुणक में अप्लाय करना होगा।

आर्मी से ऑर्डर मिलते ही रॉकेट बना यह शेयर, मार्केट खुलते ही लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। डिफेंस सेक्टर की स्मॉलकैप कंपनी अपोलो माइक्रो सिस्टम्स का शेयर आज बाजार खुलते ही 5% के अपर सर्किट में फंस गया। कंपनी को भारतीय सेना से कई ऑर्डर मिले हैं। यह शेयर बीएसई में पिछले सत्र में 104.60 रुपये पर बंद हुआ था और आज 109.80 रुपये पर खुला। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 161.75 रुपये और न्यूनतम स्तर 52.05 रुपये है। कंपनी ने पिछले शुक्रवार को एक्सचेंज को बताया कि उसे ड्रोन सिस्टम के लिए आर्मी से एक ऑर्डर मिला है। यह डिफेंस और एयरोस्पेस स्टॉक बीएसई और एनएसई पर ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध है।पिछले एक साल में इस शेयर में 97 फीसदी तेजी आई है जबकि दो साल में यह 744 फीसदी उछल चुका है। यह कंपनी एयरोस्पेस, डिफेंस, स्पेस और होमलैंड सिक्योरिटी ऐप्लिकेशंस के लिए मिशन-क्रिटिकल इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स और सबसिस्टम को डिजाइन, डेवलप और मैन्यूफैक्चर करती है।इसके शेयरों का एक साल के बीटा 0.7 है जो इस बात का संकेत है कि इस दौरान इसमें बहुत कम उतार-चढ़ाव आया है। इसका आरएसआई 44.3 है जो इस बात का सबूत है कि यह न तो ओवरबॉट जोन में है और न ही ओवरट्रेडिंग जोन में। इसका शेयर पांच दिन, 10 दिन, 20 दिन, 30 दिन, 50 दिन, 100 दिन, 150 दिन और 200 दिन के मूविंग एवरेज से ऊपर ट्रेड कर रहा है।

इस बीच घरेलू बाजारों में सोमवार को तेजी रही और निफ्टी अपने नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया जबकि सेंसेक्स 290 अंक चढ़ा। वैश्विक बाजारों में तेजी से भी शेयर बाजार में आशावादी रुख को बल मिला। बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 290.46 अंक चढ़कर 80,809.80 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 95.85 अंक की बढ़त के साथ 24,598 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर रहा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर में तीन प्रतिशत से अधिक की तेजी आई।

डॉनल्ड ट्रंप को छूकर निकली गोली और बिटकॉइन बन गई रॉकेट

बिटकॉइन की कीमत में लंबे समय बाद हलचल दिखाई दी है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर हुए कातिलाना हमले के बाद बिटकॉइन की कीमत $60,000 के पार चली गई।

नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर शनिवार को एक कातिलाना हमला हुआ। हमलवार की गोली उनके कान को छूकर निकल गई। इस घटना के बाद दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत $60,000 के पार चली गई। इसकी वजह यह है कि इस घटना के बाद ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने की संभावना बढ़ गई है। न्यूयॉर्क में की कीमत 2.7% बढ़कर $60,160.71 पर पहुंच गई। BlackRock Inc. और Fidelity Investments जैसी दिग्गज कंपनियों के ईटीएफ में तेजी की उम्मीद से हाल के दिनों में बिटकॉइन की कीमत में स्थिरता आई है।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रंप पर शनिवार को पेन्सिलवेनिया में एक राजनीतिक रैली के दौरान हमला हुआ था।

ट्रंप क्रिप्टोकरेंसीज के पक्षधर रहे हैं। घटना के बाद उनकी टीम ने बताया कि ट्रंप ठीक हैं और सोमवार से शुरू हो रहे रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में जाने के लिए उत्सुक हैं। PredictIt के आंकड़ों के अनुसार इस घटना के बाद ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने की संभावना बढ़ गई है। इससे बाजार में भी उतार-चढ़ाव बढ़ने की आशंका है। पिछले महीने हुई बहस में ट्रंप को बढ़त मिली थी। उस समय अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ था और ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी हुई थी। इस बार भी ऐसा होने की उम्मीद है।

बिटकॉइन का सफर

मार्च के मध्य में इसकी कीमत $73,803.25 के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। दुनियाभर में क्रिप्टोकरेंसीज और ब्लॉकचेन के उभार में बिटकॉइन की सबसे अहम भूमिका है। वर्चुअल क्रिएटर सतोशी नाकामोतो इसे क्रिएट किया था। इसका पहला ट्रांजैक्शन मई 2009 में हुआ था। इसका मकसद दुनिया में एक ऐसी करेंसी लाना था जिसमें बैंकों और दलालों की कोई भूमिका नहीं होगी। साल 2009 में जब बिटकॉइन लॉन्च हुई थी तब इसकी कीमत मात्र 0.060 रुपये थी। इसकी कीमत में पहली बार तेजी साल 2010 में आई थी जब इसकी कीमत 0.0008 डॉलर से बढ़कर 0.08 डॉलर पहुंची थी।

इसके बाद अप्रैल 2011 में पहली बार इसकी कीमत एक डॉलर पहुंची। उसी साल जून में यह बढ़कर 32 डॉलर की हो गई। बिटकॉइन के लिए साल 2013 बेहद निर्णायक रहा। तब दो बार इसकी कीमत में भारी उछाल आई। अप्रैल 2013 में इसका भाव 220 डॉलर पर पहुंच गया। बिटकॉइन की कीमतों में बड़ा उछाल 2017 में आया। जून 2019 में इसका भाव 10 हजार डॉलर के पास था। वहीं, जनवरी 2021 में इसने 40 हजार डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया और फिर उसी साल नवंबर में यह 67,000 डॉलर पर पहुंची थी। इस साल मार्च के मध्य में इसकी कीमत $73,803.25 पहुंची।

सरकार ने एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाया है जिसके जरिए बीमा दावों की प्रक्रिया तेज होगी बल्कि यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शी भी बनेगी।

अब अस्पताल से छुट्टी मिलने में नहीं होगी देर, सरकार ने कर दिया इंतजाम

नई दिल्ली। हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम पाने के लिए अब आपको ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा। हेल्थ इंश्योरेंस सर्विसेज देने वाली कम से कम 33 बड़ी कंपनियां नेशनल हेल्थ क्लेम्स एक्सचेंज (एनएचसीएक्स) से जुड़ गई हैं। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जिसे सरकार ने बीमा दावों से जुड़ी जानकारी के आदान-प्रदान के लिए बनाया है। अभी तक यह काम कई अलग-अलग प्लेटफॉर्म के जरिए होता था जिससे समय बहुत लगता था। सरकारी सूत्रों का कहना है कि एनएचसीएक्स के इस्तेमाल से न सिर्फ बीमा दावों की प्रक्रिया तेज होगी बल्कि यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शी भी बनेगी। इससे देश की शीर्ष बीमा नियामक संस्था भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के पास दावों के निपटान की स्थिति की रीयल टाइम जानकारी होगी।

नेशनल हेल्थ अथॉरिटी (एनएचए) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि आम लोग भी मोबाइल के जरिए अपने बीमा दावे की स्थिति देख सकेंगे। एनएचए ने ही इस सेंट्रल प्लेटफॉर्म को विकसित किया है। उन्होंने कहा कि कुछ कंपनियों ने परीक्षण के तौर पर एनएचसीएक्स के माध्यम से दावों का निपटान शुरू कर दिया है और जल्द ही सभी सुविधाओं के साथ

प्लेटफॉर्म को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जाएगा। हाल ही में, हेल्थ इंश्योरेंस इंडस्ट्री की प्रमुख कंपनी एचडीएफसी एर्गो ने एनएचसीएक्स के माध्यम से अपना पहला दावा निपटाया है। एनएचए ने आईआरडीएआई के सहयोग से एनएचसीएक्स को विकसित किया है।

सूत्रों ने कहा कि एनएचसीएक्स का उद्देश्य फिलहाल कारोबार को नियंत्रित करना नहीं है, लेकिन इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग भविष्य में ऐसी प्रणालियां विकसित करने के लिए किया जा सकता है जिनको प्लेटफॉर्म में जोड़ा जा सके ताकि अनुचित आधारों पर दावों को अस्वीकार करने जैसी गड़बड़ियों को रोका जा सके। अभी इलाज के लिए अस्पताल जाने वाले मरीज अपनी बीमा पॉलिसी का विवरण या थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर (टीपीए) या बीमा कंपनी द्वारा जारी किया गया कार्ड दिखाते हैं। इसके बाद अस्पताल संबंधित बीमा कंपनियों के क्लेम प्रोसेसिंग पोर्टल पर जाता है और पूर्व अनुमोदन या दावा अनुमोदन प्रक्रिया के लिए आवश्यक दस्तावेज अपलोड करता है।

पूर्व-अनुमोदन/दावा प्रपत्र प्राप्त होने पर, बीमा कंपनी/थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर (टीपीए) अपने आंतरिक दावा प्रसंस्करण पोर्टल का उपयोग करके फॉर्म को प्रमाणित और डिजिटाइज करता है। फिर संबंधित टीम द्वारा दावों का फैसला किया जाता है। एक वरिष्ठ डॉक्टर ने कहा कि अक्सर, मरीजों को इस प्रक्रिया के पूरा होने के लिए दिन भर इंतजार करना पड़ता है, जिसके कारण अस्पताल से छुट्टी मिलने में देरी होती है और अतिरिक्त कमरे का किराया देना पड़ता है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल- 462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। * फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017